प्रश्न - 4 मध्यप्रदेश में मृदा अपरदन और इससे निपटने के उपाय बताइये ? (100 words)

उत्तर - 4 मृदा की ऊपरी परत का कृत्रिम अथवा प्राकृतिक कारकों द्वारा विस्थापन होना अथवा पानी द्वारा बह जाना मृदा अपरदन कहलाता है।

मृदा अपरदन जल के अलावा वायु द्वारा भी होता है।

मध्यप्रदेश में मृदा अपरदन :- मध्यप्रदेश के कुल भौगोलिक क्षेत्र में से 6 लाख एकड़ कृषि भूमि भू अपरदन के कारण बर्बाद हो चुकी है। मध्यप्रदेश में सर्वाधिक मृदा अपरदन चंबल नदी द्वारा होता है। चम्बल नदी द्वारा हुये मृदा अपरदन से गली (अवनालिका) का निर्माण होता है। यह कृषि हेतु अत्यधिक जटिल समस्या है। यह समस्या दिनों दिन बढ़ती जा रही है।

मृदा अपरदन को "रेंगती हुई मृत्यु" भी कहा जाता है।

BHOPAL
Established since:1990

मृदा अपरदन से निपटने के उपाय

(I) मृदा अपरदन को रोकने हेतु समोच्च जुताई को बढ़ावा दिया जाना चाहिये।

(II) भूमि की उपजता को बढ़ाने तथा मृदा अपरदन को रोकने हेतु पट्टेदार खेती (स्ट्रिप क्रोपिंग) की प्रक्रिया को बढ़ावा दिया जाना चाहिये।

(III) बेहतर जल निकासी की व्यवस्था की जानी चाहिये।

(IV) नदी घाटियों, बंजर भूमियों तथा पहाड़ी ढलानों पर वृक्ष लगाकर मृदा अपरदन को कम किया जा सकता है।

(V) मेड़बंदी (Bunding) :- इस क्षेत्र में बंजर भूमि विकास कोई काम कर रहा है। इसके तहत ढलान को कृत्रिम संरचनाओं द्वारा संरक्षित किया जाता है।

U.P.S.C
UNIQUE IAS
STUDY CIRCLE SINCE: 1999

No.

मृदा अपरदन से मिट्टी का अत्यधिक क्षय होता है, जो एक चिंताजनक विषय है। अतः मृदा अपरदन की रोकथाम अति अनिवार्य है।

Excellent